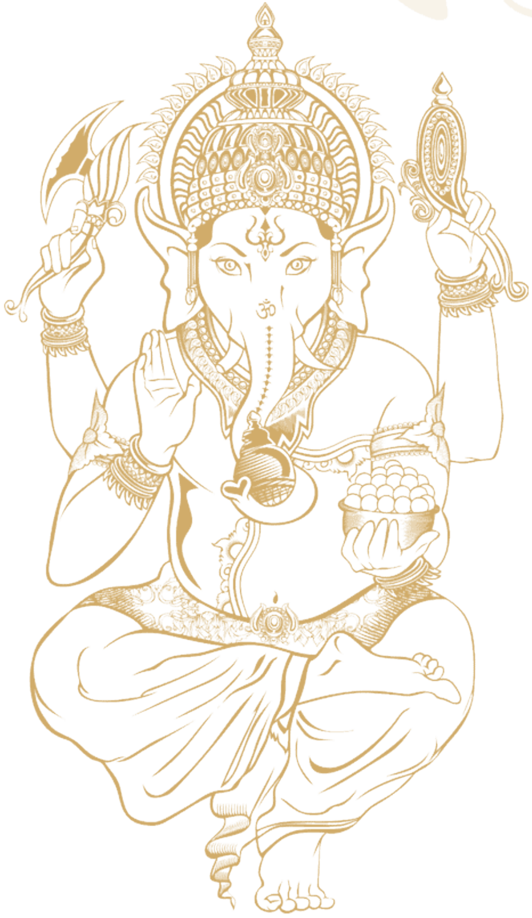

Prakhar Srivastava

03 Jul 2006

05:12 AM

Balrampur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121878419

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/07/2006**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**05:12:00 घंटे**
इष्ट	00:03:34 घटी
स्थान	**Balrampur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:25:00 उत्तर
रेखांश	82:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:10:40 घंटे
वेलान्तर	-00:04:10 घंटे
साम्पातिक काल	23:54:08 घंटे
सूर्योदय	05:10:34 घंटे
सूर्यास्त	19:00:15 घंटे
दिनमान	13:49:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	16:59:39 मिथुन
लग्न के अंश	16:25:10 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वरियान
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पी-पीयूष
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	16:25:10	318:41:07	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मिथु	16:59:39	00:57:12	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	सम राशि
चंद्र			कन्या	09:18:18	11:49:45	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			कर्क	23:49:14	00:36:50	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	नीच राशि
बुध			कर्क	07:17:45	00:08:32	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
गुरु	व		तुला	15:02:50	00:00:36	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	16:43:24	01:11:35	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	स्वराशि
शनि			कर्क	16:28:16	00:07:03	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
राहु			मीन	04:41:16	00:00:10	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
केतु			कन्या	04:41:16	00:00:10	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	20:42:25	00:00:39	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
नेप	व		मक	25:26:09	00:01:11	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	01:03:26	00:01:30	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	04:27:18	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:53

लग्न-चलित

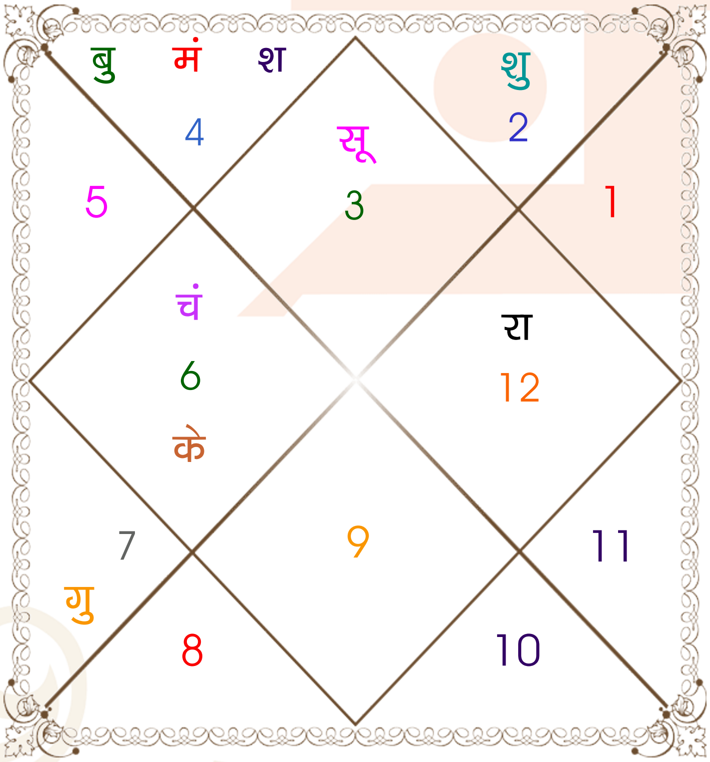

चन्द्र कुंडली

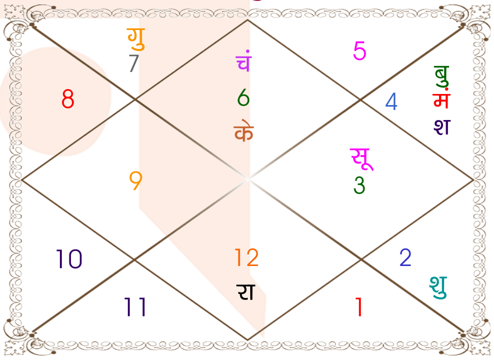

नवमांश कुंडली

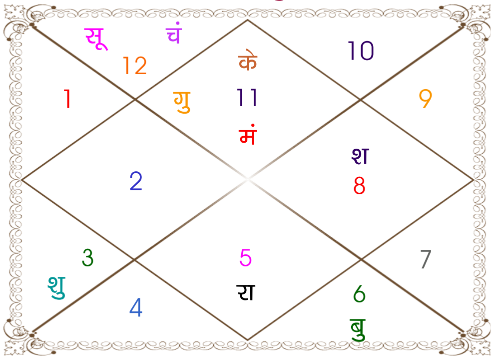

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 3 मास 22 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
03/07/2006		25/10/2006		24/10/2016		25/10/2023		25/10/2041	
25/10/2006		24/10/2016		25/10/2023		25/10/2041		25/10/2057	
	00/00/0000	चंद्र	25/08/2007	मंगल	23/03/2017	राहु	07/07/2026	गुरु	13/12/2043
	00/00/0000	मंगल	25/03/2008	राहु	10/04/2018	गुरु	30/11/2028	शनि	25/06/2046
	00/00/0000	राहु	24/09/2009	गुरु	17/03/2019	शनि	07/10/2031	बुध	30/09/2048
	00/00/0000	गुरु	24/01/2011	शनि	25/04/2020	बुध	25/04/2034	केतु	06/09/2049
	00/00/0000	शनि	25/08/2012	बुध	22/04/2021	केतु	14/05/2035	शुक्र	07/05/2052
	00/00/0000	बुध	24/01/2014	केतु	18/09/2021	शुक्र	14/05/2038	सूर्य	23/02/2053
	00/00/0000	केतु	25/08/2014	शुक्र	18/11/2022	सूर्य	07/04/2039	चंद्र	25/06/2054
	03/07/2006	शुक्र	25/04/2016	सूर्य	26/03/2023	चंद्र	06/10/2040	मंगल	01/06/2055
शुक्र	25/10/2006	सूर्य	24/10/2016	चंद्र	25/10/2023	मंगल	25/10/2041	राहु	25/10/2057

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
25/10/2057		24/10/2076		25/10/2093		25/10/2100		25/10/2120	
24/10/2076		25/10/2093		25/10/2100		25/10/2120		04/07/2126	
शनि	27/10/2060	बुध	23/03/2079	केतु	23/03/2094	शुक्र	25/02/2104	सूर्य	12/02/2121
बुध	08/07/2063	केतु	19/03/2080	शुक्र	23/05/2095	सूर्य	24/02/2105	चंद्र	14/08/2121
केतु	15/08/2064	शुक्र	18/01/2083	सूर्य	28/09/2095	चंद्र	26/10/2106	मंगल	19/12/2121
शुक्र	16/10/2067	सूर्य	25/11/2083	चंद्र	28/04/2096	मंगल	26/12/2107	राहु	13/11/2122
सूर्य	27/09/2068	चंद्र	25/04/2085	मंगल	24/09/2096	राहु	26/12/2110	गुरु	01/09/2123
चंद्र	28/04/2070	मंगल	22/04/2086	राहु	13/10/2097	गुरु	26/08/2113	शनि	13/08/2124
मंगल	07/06/2071	राहु	09/11/2088	गुरु	18/09/2098	शनि	25/10/2116	बुध	20/06/2125
राहु	13/04/2074	गुरु	15/02/2091	शनि	28/10/2099	बुध	26/08/2119	केतु	26/10/2125
गुरु	24/10/2076	शनि	25/10/2093	बुध	25/10/2100	केतु	25/10/2120	शुक्र	04/07/2126

❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 3 मा 22 दि होता है।

❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यत: 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।